>

Title: Need to set up a Central University in Ajmer, Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत : महोदय, राजस्थान के बीचोंबीच स्थित अजमेर नगर प्राचीन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक तथा शैक्षिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण नगर है। यह नगर साम्प्रदायिक सौहार्दता के लिए प्रख्यात है। यहां पर सुप्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की पवित्र दरगाह है, जहां देश के लाखों लोग जियारत करने आते हैं। अजमेर के पास ही पुष्कर नाम सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल है जो धर्म और संस्कृति का महत्वपूर्ण केन्द्र है, जहां लाखों लोग प्रतिवर्ष दर्शनार्थ एवं पुष्कर स्नान करने के लिए आते हैं।

अजमेर चौहान सम्राटों की राजधानी रहा। वीसलदेव चौहान के समय यहां एक प्रसिद्ध संस्कृत विश्वविद्यालय था, जिसे अब ढाई दिन का झोपड़ा कहा जाता है। मुगल काल में भी हिन्दुस्तान के बड़े-बड़े बादशाह अकबर, जहांगीर, शाहजहां, अजमेर तशरीफ लाए थे। अंग्रेजों के जमाने में अजमेर बना रहा और वर्ष 1956 तक अजमेर केंद्र शासित प्रदेश रहा।

* Not recorded as ordered by the Chair.

** Not recorded

माननीय, अजमेर शिक्षा का प्रसिद्ध केंद्र है। यहां पर प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय तक की शिक्षा दी जाती रही है। यहां का मेयो कालेज जहां सारे देश के लड़के पढ़ने के लिए आते हैं, गवर्नमेंट कालेज अजमेर जहां सात हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं, यह राजस्थान का सबसे बड़ा और पुराना कालेज है, दयानंद कालेज, सोफिया कालेज, सावित्री कालेज, रीजनल कालेज, टीटी कालेज सभी कालेज यहां पर हैं, लेकिन एक केंद्रीय विश्वविद्यालय नहीं है। हर्ष का विषय है कि केंद्र सरकार ने देश के अंदर केंद्रीय विश्वविद्यालय खोलने की योजना बनायी है। मैं सरकार से मांग करूंगा कि अजमेर के अंदर केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए, ताकि शिक्षा का स्तर ऊंचा हो। अतः एक केंद्रीय विश्वविद्यालय अजमेर में स्थापित किया जाए, धन्यवाद।